# कार्यालय, कुलसचिव, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर।

पत्राक 2237/कु0स0का0/सि0वि0वि0/2021–22 दिनाक 04 08 2022

सेवा में,

**प्राचार्य/प्राचार्या**
**समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय**
**सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर।**

**विषय** **दिनांक 14 अगस्त, 2022 को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाये जाने के सम्बन्ध में।**

**महोदय,**

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र सख्या–2111/सत्तर–3–2022 दिनाक 02 अगस्त, 2022 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे, जिसके माध्यम से अवगत कराया गया है कि भारत का राजपत्र (असाधारण), सख्या 228 मे दिनाक 14 अगस्त, 2021 को केन्द्रीय गृह मत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जहा भारत के लोग "आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए अपनी प्रिय मातृभूमि के उन बेटे एव बेटियो को नमन करत है, जिनको भारत की वर्तमान और भावी पीढियो को विभाजन के दौरान लोगो द्वारा सही गयी यातना एव वेदना का स्मरण दिलाने के लिए 14 अगस्त को "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" के रूप म घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

विश्वविद्यालय एव समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयो मे "आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर उच्च शिक्षण सस्थाओ मे विभिन्न आयोजनों/कार्यक्रमो के साथ दिनाक 14 08 2022 को "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" के रूप मे मनाया जायेगा। इस अवसर पर समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयो मे कराये जाने वाले कार्यक्रमो रूपरेखा निम्नवत है–

- विभाजन से विस्थापित हुए परिवारो की पहली एव दूसरी पीढियो को साथ लेकर शरणार्थी बस्तियो/बाजारो अथवा विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से सभी के हाथो म तिरगा लेकर मौन जुलूस का आयोजन एव अभिलेख एव अभिलेख प्रदर्शनी स्थल पर प्रार्थना सभा/शाति का पाठ का आयोजन किया जायेगा। जुलूस का यात्रा मार्ग लगभग 1 कि0मी0 रखा जाये, ताकि बुजुर्गों, बच्चो व महिलाओ हेतु यह सुविधाजनक हो।

- विश्वविद्यालय/महाविद्यालयो अथवा चिन्हित स्थलों पर विभाजन विभीषिका से सम्बन्धित अभिलेख प्रदर्शनी (उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार) का आयोजन किया जाये, जिसमे 20 से 25 प्रदर्शा (तत्समय के फोटो, अखबारो की कतरने, साहित्य, राजकीय अभिलेख आदि) का प्रदर्शन किया जाये।

- विश्वविद्यालयो/महाविद्यालयो मे "विभाजन विभीषिका" से सम्बन्धित सेमिनार का अयोजन किया जाये, जिसमे विभिन्न विषयो जैसे– 'भारत के सामाजिक, सास्कृतिक एव आर्थिक विकास मे विस्थापितो का योगदान' तथा 'देश की एकता एव अखण्डता मे शरणार्थी व्यक्तियो का योगदान' पर चर्चा की जाये। इसम विभाजन विभीषिका से विस्थापित प्रथम पीढी के व्यक्तियो के अनुभवो का प्रस्तुतीकरण किया जा सकता है।
- विश्वविद्यालय/महाविद्यालय मे "भारत–पाकिस्तान विभाजन विभीषिका" से जुडी हुई फिल्मो/डाक्यूमेन्ट्री मे प्रर्दशन किया जाये।

- स्थानीय प्रकाशको/पुस्तक विक्रेताओ के सहयोग स सन् 1947 मे भारत–पाकिस्तान विभाजन विभीषिका' से जुडी हुई पुस्तको की प्रदर्शनी लगाई जाये।

- दिनाक 14 08 2022 को नई दिल्ली से प्रस्तावित कार्यक्रम मे मा0 प्रधानमत्री जी के उद्‌बोधन का प्रर्दशनी स्थल मे सजीव प्रसारण किया जाये।

इस सम्बन्ध मे मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विश्वविद्यालय एव समस्त सम्बद्ध महाविद्यालयो मे उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करे।

**सलग्नक–यथोपरि।**

भवदीय

04.08.22

**कुलसचिव**

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु

सिद्धार्थनगर

पत्राक 2237/कु0स0का0/सि0वि0वि0/2022 दिनाक 04/08/2022

**प्रतिलिपि– निम्नलिखित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रषित–**

1 अधिष्ठाता छात्र कल्याण, विश्वविद्यालय परिसर।
2 अध्यक्ष प्राचीन इतिहास विभाग एव इतिहास विभाग, विश्वविद्यालय परिसर।
3 समस्त इकाई, एन0एस0एस0, विश्वविद्यालय एव सम्बद्ध महाविद्यालय।
4 प्रभारी, एन0सी0सी0 विश्वविलय परिसर।
5 सहायक कुलसचिव, प्रशासन।
6 निजी सचिव मा0 कुलपति जी को कुलपति जी क अवलोकनार्थ।
7 कोडिग प्रभारी को इस आशय से प्रेषित कि उक्त पत्र महाविद्यालयो की लॉगिन आई0डी0 एव वेबसाइट पर अपलोड करने का कष्ट करे।
8 मूल पत्रावली में सरक्षण हेतु।

04.08.22

**कुलसचिव**

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु

सिद्धार्थनगर

शीर्षप्राथमिकता

संख्या–2111 /सत्तर–3–2022

**प्रेषक,**

**गिरिजेश कुमार त्यागी,**
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

**सेवा में,**

1. **निदेशक ,**
उच्च शिक्षा, उ0प्र0,
प्रयागराज।

2. **कुलसचिव,**
समस्त राज्य/निजी विश्वविद्यालय,
उ0प्र0।

3. **समस्त क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी,**
उ0प्र0।

उच्च शिक्षा अनुभाग–3 | लखनऊ : दिनांक 02 अगस्त, 2022

**विषयः– दिनांक 14 अगस्त, 2022 को "विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस" मनाये जाने के सम्बन्ध में।**

**महोदय,**

उपर्युक्त विषयक सस्कृति अनुभाग का पत्र सख्या–1497/चार–2022, दिनांक 01.08.2022 (छायाप्रति सलग्न) का कृपया सदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करे, जिसके माध्यम से अवगत कराया गया है कि भारत का राजपत्र (असाधारण), सख्या 228 में दिनाक 14 अगस्त, 2021 को केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जहां भारत के लोग "आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए अपनी प्रिय मातृभूमि के उन बेटे एव बेटियो को नमन करते हैं, जिनको भारत विभाजन के दौरान अपने प्राण न्यौछावर करने पडे थे, ऐसे लोगो की याद मे तथा भारत की वर्तमान और भावी पीढियो को विभाजन के दौरान लोगो द्वारा सही गयी यातना एव वेदना का स्मरण दिलाने के लिए 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में घोषित करने का निर्णय लिया गया है।

2– देश का विभाजन किसी विभीषिका से कम नही था। भारत के लाखों लोगों ने बलिदान देकर आजादी प्राप्त की थी, ऐसे समय पर देश का दो टुकडों मे बट जाने का दर्द आज भी लाखो परिवारों मे एक गहरे जख्म की तरह घर कर गया है। इसी समय बगाल का भी विभाजन हुआ, जिसमे बगाल के पूर्वी हिस्से को भारत से अलग कर पूर्वी पाकिस्तान बना दिया गया था, जो कि सन् 1971 में बाग्लादेश के रूप में एक स्वतत्र राष्ट्र बना। भारत के इस भौगालिक बटवारे ने देश के लोगों को सामाजिक, सास्कृतिक, आर्थिक तथा मानसिक रूप से झकझोर दिया था। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें न सिर्फ भेद–भाव, वैमनस्य एव दुर्भावना को खत्म करने की याद दिलायेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की प्रेरणा मिलेगी।

3– प्रदेश में "आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर उच्च शिक्षण सस्थानों मे विभिन्न आयोजनों/कार्यकमों के साथ दिनाक 14.08.2022 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप मे मनाया जायेगा। इस अवसर पर प्रदेश स्थित उच्च शिक्षण सस्थानों मे कराये जाने वाले कार्यकमो की रूपरेखा निम्नवत है –

- विभाजन से विस्थापित हुए परिवारो की पहली एव दूसरी पीढियो को साथ लेकर शरणार्थी बस्तियो/बाजारो अथवा विश्वविद्यालय/महाविद्यालय से सभी के हाथो मे तिरगा लेकर मौन जुलूस का आयोजन एव अभिलेख प्रदर्शनी स्थल पर प्रार्थना सभा/शाति पाठ का आयोजन किया जायेगा। जुलूस का यात्रा मार्ग लगभग 1 किमी0 रखा जाये, ताकि बुजुर्गों, बच्चो व महिलाओं हेतु यह सुविधाजनक हो।

- विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयो अथवा चिन्हित स्थलों पर विभाजन विभीषिका से सम्बन्धित अभिलेख प्रदर्शनी (उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार) का आयोजन किया जाये, जिसमें 20 से 25 प्रदर्शों (तत्समय के फोटो, अखबारो की कतरने, साहित्य, राजकीय अभिलेख आदि) का प्रदर्शन किया जाये।
- विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में 'विभाजन विभीषिका' से सम्बन्धित सेमिनार का आयोजन किया जाये, जिसमे विभिन्न विषयो जैसे 'भारत के सामाजिक, सास्कृतिक एव आर्थिक विकास मे विस्थापितो का योगदान' तथा 'देश की एकता एवं अखण्डता मे शरणार्थी व्यक्तियों का योगदान' पर चर्चा की जाये। इसमे विभाजन विभीषिका से विस्थापित प्रथम पीढी के व्यक्तियों के अनुभवो का प्रस्तुतीकरण किया जा सकता है।
- विश्वविद्यालयो/महाविद्यालयों मे 'भारत–पाकिस्तान विभाजन विभीषिका' से जुडी हुई फिल्मो/डाक्यूमेन्ट्री में प्रदर्शन किया जाये।
- स्थानीय प्रकाशको/पुस्तक विकेताओ के सहयोग से सन् 1947 में 'भारत–पाकिस्तान विभाजन विभीषिका' से जुडी हुई पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई जाये।
- दिनाक 14 08 2022 को नई दिल्ली से प्रस्तावित कार्यकम मे मा0 प्रधानमत्री जी के उद्‌बोधन का प्रदर्शनी स्थल मे सजीव प्रसारण किया जाये।

4– इस समबन्ध मे मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि प्रदेश मे स्थित उच्च शिक्षण सस्थानो में उपरोक्तानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करे।

**संलग्नक–यथोक्त**

भवदीय,

**( गिरिजेश कुमार त्यागी )**
विशेष सचिव।

**संख्या–2111 (1)/सत्तर–3–2022, तद्‌दिनांक।**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

(1) निजी सचिव, मा0 मत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन।
(2) निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, उच्च शिक्षा विभाग, उ0प्र0 शासन।
(3) निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग उ0प्र0 शासन।
(4) प्रमुख सचिव, सस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन।
(5) संस्कृति अनुभाग।

आज्ञा से,

**( हरेन्द्र कुमार सिंह )**
उप सचिव।

File No.4-1099/285/2022- -1-

संख्या 850 /VIP-PSHED/2022

महत्वपूर्ण

विशेष (ग्र.के.)/अनु-3

आजादी का अमृत महोत्सव

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

स0-1497 /चार-2022

प्रेषक,

दुर्गा शकर मिश्र,

मुख्य सचिव,

उ0प्र0 शासन

( मोनिका एस० गर्ग )
अपर मुख्य सचिव,
उच्च शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा मे,

1 समस्त अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव
उत्तर प्रदेश, शासन।

2. समस्त जिलाधिकारी,
उत्तर प्रदेश।

संस्कृति अनुभाग लखनऊ दिनांक 1 ~~जुलाई~~ अगस्त, 2022

विषय -दिनाक 14 अगस्त, 2022 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाये जाने के सम्बन्ध मे।

महोदय,

कृपया अवगत कराना है कि भारत का राजपत्र (असाधारण), सख्या 228 मे दिनाक 14 अगस्त, 2021 को केन्द्रीय गृह मत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जहा भारत के लोग "आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए अपनी प्रिय मातृभूमि के उन बेटे एवं बेटियो को नमन करते हैं, जिनको भारत विभाजन के दौरान अपने प्राण न्यौछावर करने पड़े थे; ऐसे लोगो की याद मे तथा भारत की वर्तमान और भावी पीढियों को विभाजन के दौरान लोगों द्वारा सही गयी यातना एव वेदना का स्मरण दिलाने के लिए 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप मे घोषित करने का निर्णय लिया गया है ।

2 देश का विभाजन किसी विभीषिका से कम नहीं था। भारत के लाखों लोगों ने बलिदान देकर आजादी प्राप्त की थी ऐसे समय पर देश का दो टुकड़ो मे बंट जाने का दर्द आज भी लाखो परिवारो मे एक गहरे जख्म की तरह घर कर गया है। इसी समय बंगाल का भी विभाजन हुआ, जिसमे बंगाल के पूर्वी हिस्से को भारत से अलग कर पूर्वी पाकिस्तान बना दिया गया था, जो कि सन् 1971 में बांग्लादेश के रूप में एक स्वतंत्र राष्ट्र बना। भारत के इस भौगोलिक बंटवारे ने देश के लोगों को सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक तथा मानसिक रूप से झकझोर दिया था। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हमें न सिर्फ भेद-भाव, वैमनस्य एव

दुर्भावना को खत्म करने की याद दिलायेगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तिकरण की प्रेरणा मिलेगी।

3. प्रदेश सरकार द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर सम्पूर्ण प्रदेश मे विभिन्न आयोजनो/कार्यक्रमो के साथ इस दिवस यानि दिनांक 14 अगस्त, 2022 को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाये जाने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर लखनऊ सहित प्रदेश के समस्त 75 जनपदो मे कराये जाने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा निम्नवत् है

- विभाजन से विस्थापित हुए परिवारो की पहली एव दूसरी पीढियो को साथ लेकर शरणार्थी बस्तियो/बाजारों अथवा विश्विद्यालयों एव कॉलेजो से सभी के हाथों मे तिरंगा लेकर मौन जुलूस का आयोजन एवं अभिलेख प्रदर्शनी स्थल पर प्रार्थना सभा/शांति पाठ का आयोजन किया जाये। जुलूस का यात्रा मार्ग लगभग 1 किमी० रखा जाये, ताकि बुजुर्गो, बच्चो व महिलाओ हेतु यह सुविधाजनक हो।
- प्रदेश के कॉलेजो/विश्वविद्यालयो अथवा चिन्हित स्थलों पर विभाजन विभीषिका से सबधित अभिलेख प्रदर्शनी (उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार) का आयोजन किया जाये, जिसमे 20 से 25 प्रदर्शो (तत्समय के फोटो, अखबारो की कतरनें, साहित्य, राजकीय अभिलेख आदि) का प्रदर्शन किया जाये।
- प्रदेश के प्रमुख महाविद्यालयो/विश्वविद्यालयों मे 'विभाजन विभीषिका' से सबंधित सेमिनार का आयोजन किया जाये, जिसमें विभिन्न विषयो जैसे: 'भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक एव आर्थिक विकास में विस्थापितों का योगदान' तथा 'देश की एकता एवं अखण्डता में शरणार्थी व्यक्तियो का योगदान' पर चर्चा की जाये। इसमें विभाजन विभीषिका से विस्थापित प्रथम पीढी के व्यक्तियो के अनुभवो का प्रस्तुतिकरण किया जा सकता है।
- प्रदेश के सभी 75 जनपदो मे 'भारत-पाकिस्तान विभाजन विभीषिका' से जुड़ी हुई फिल्मो/डाक्यूमेंट्री को शरणार्थी बस्तियो/ महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों मे प्रदर्शन किया जाये।
- स्थानीय प्रकाशको/पुस्तक विक्रेताओ के सहयोग से सन् 1947 में 'भारत-पाकिस्तान विभाजन विभीषिका' से जुड़ी हुई पुस्तको की प्रदर्शनी लगाई जा सकती है।
- दिनाक 14 अगस्त, 2022 को नई दिल्ली से प्रस्तावित कार्यक्रम में मा० प्रधानमत्री जी के उद्बोधन का प्रदर्शनी स्थल एवं शरणार्थी बस्तियों मे सजीव प्रसारण किया जाये।
- उक्त कार्य में विभिन्न सामाजिक व गैर सरकारी सगठनों जैसे सिंधी काउसिंल आफ इडिया, उत्तर प्रदेश सिंधी सभा, उत्तर प्रदेश सिंधी अकादमी, सनातनी पजाबी महासभा

आदि का सहयोग भी लिया जाये। इसके अलावा उत्तर प्रदेश फिल्म वधु, उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, इदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, नई दिल्ली आदि द्वारा कार्यक्रम हेतु अभिलेख/फिल्मे उपलब्ध करायी जायेगी।

अतएव उक्त के सम्बन्ध मे मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कार्यक्रम की ग्र के अनुसार प्रदेश के सभी जिलो मे कार्यक्रम कराते हुए उनकी सूचना संस्कृति विभाग पित करने का कष्ट करें।

भवदीय,
Signed by: दुर्गा शंकर मिश्र
Date 28-07-2022 12:25:22
Reason Approved

( दुर्गा शंकर मिश्र )
मुख्य सचिव।

497 /धार-2022, तद्दिनांक।

लिपि- निम्नलिखित सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः

अपर मुख्य सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
अपर मुख्य सचिव गृह, उ0प्र0 शासन।
अपर मुख्य सचिव सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0 शासन।
अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा विभाग।
प्रमुख सचिव, भाषा विभाग।
पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश।
समस्त मण्डलायुक्त, उत्तर प्रदेश।

MUKESH KUMAR MESHRAM

Digitally signed by MUKESH KUMAR MESHRAM
DN: c=IN, o=UTTAR PRADESH SECRETARIAT CULTURE AND TOURISM, ou=GOVERNMENT OF UTTAR PRADESH
Pradesh,
KUMAR MESHRAM

( मुकेश कुमार मेश्राम )
प्रमुख सचिव।